International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राजस्थान के प्रमुख शहरों में शहरीकरण और इसके पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन - अजमेर नगर के सन्दर्भ में

डॉ सुरेन्द्र कुमार चंदेल
सहायक आचार्य- भूगोल
राजकीय महा वद्यालय, टोंक (राज-)

सारांश

वश्व इतिहास शहरी वकास की सबसे बड़ी लहर से गुजर रहा है। दुनिया की आधी से अ धक आबादी अब कस्बों और शहरों में रहती है, और 2030 तक यह संख्या बढ़कर लगभग 5 बि लयन हो जाएगी। 'शहरीकरण में खुशहाली, संसाधन दक्षता और आ र्थक वकास के एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है। ले कन बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी क्षेत्रों में मांग का दबाव भी बढ़ जाता है' ड्रेका कस-स्मिथ, डे वड, (1996)। शहरी वकास के कारण, अन्य भू म उपयोगों के कारण कृ ष भू म का नुकसान दुनिया भर में, वशेष रूप से भारत जैसे वकासशील देशों में बढ़ती चंता का मुद्दा है। यह पेपर अजमेर शहर में भू म उपयोग और भू म कवर पैटर्न पर शहरीकरण के प्रभाव का आकलन करने का एक प्रयास है। हाल के रुझानों से संकेत मलता है क ग्रामीण शहरी प्रवास और जगह के धा र्मक महत्व ने हर साल हजारों पर्यटकों को आक र्षत कया है, जिसने शहर की बढ़ती आबादी में काफी योगदान दिया है और भू म उपयोग पैटर्न में बदलाव का कारण बन रहा है। इस बढ़ते शहरी फैलाव के कारण कृ ष भू म और भू म जोत कम हो गई है। शहरीकरण की बढ़ती दर के कारण, कृ ष क्षेत्र आवासीय और औद्यो गक क्षेत्रों में बदल गए हैं (रेटनाराज डी, 1994)।

कीवर्ड: शहरीकरण, शहरी फैलाव, भू म क्षरण, पर्यावरणीय खतरे, अपराध

परिचय

शहरीकरण से तात्पर्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के अनुपात में क्र मक वृ द्ध से है। 1800 *वी शताब्दी तक* दुनिया की केवल *2%* आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती थी, जो केवल 200 वर्षों में *2%* से बढ़कर 50% हो गई है और 2050 तक इसके 66% तक पहुंचने का अनुमान है। आजादी के बाद देश में म श्रत अर्थव्यवस्था अपनाने के कारण भारत में शहरीकरण में तेजी आने लगी, जिससे निजी क्षेत्र के वकास को बढ़ावा मला। भारत में

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शहरीकरण तेजी से हो रहा है। 1901 की जनगणना के अनुसार, भारत में शहरी क्षेत्रों में रहने वाली जनसंख्या 11.4% थी। 2001 की जनगणना के अनुसार यह संख्या बढ़कर 28.53% हो गई और 2011 की जनगणना के अनुसार 30% को पार करते हुए 31.16% हो गई।

अध्ययन क्षेत्र

मूल रूप से अजयमेरु के नाम से जाना जाने वाला अजमेर राजस्थान राज्य का एक प्रशासनिक केंद्र है, जो भारत की राजधानी नई दिल्ली के द क्षण-पश्चिम भाग में लगभग *355* कमी की दूरी पर स्थित है (चत्र 1)।

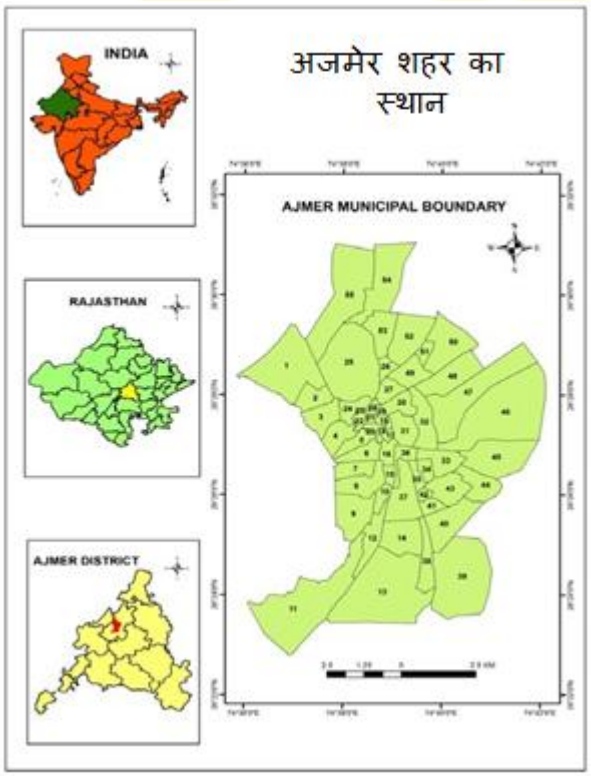

आधार मान चत्र **1** अजमेर शहर का स्थान

जिले का पूर्वी भाग आम तौर पर समतल है, जो केवल हल्के उतार-चढ़ाव से टूटता है। पश्चिमी भाग, उत्तर-पश्चिम से द क्षण-पश्चिम तक, अरावली पर्वतमाला द्वारा प्रतिच्छेदित हैं। इस क्षेत्र की कई घाटियाँ रेतीले रे गस्तान हैं, जो भारत के थार रे गस्तान का हिस्सा हैं, जहाँ कभी-कभार खेती होती है। कुछ उपजाऊ पथ भी मौजूद हैं; इनमें से वह मैदान है जिस पर

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अजमेर शहर स्थित है। इस घाटी में एक कृत्रिम झील है जिसे आनासागर झील कहा जाता है और यह नागपत्थर श्रृंखला या सर्प च ान की वशाल दीवारों द्वारा संर क्षत है, जो रेत के खलाफ एक बाधा बनाती है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. राजस्थान के अजमेर शहर के वकास पर शहरीकरण और शहरी फैलाव के प्रभाव का आकलन करना।
2. अजमेर शहर के वर्ष 2000 से 2017 तक भू म उपयोग पैटर्न पर परिवर्तन का पता लगाना।
3. अजमेर शहर में शहरी वकास के माध्यम से पर्यावरणीय चंताओं और खतरों की बढ़ती दर की जांच करना।

अनुसंधान क्रया व ध

इस पेपर में अनुसंधान की प्रकृति, जो अजमेर जिले के एक डवीजन में शहरीकरण के संदर्भ में भू म उपयोग पैटर्न में परिवर्तनों का वर्णन और अन्वेषण करती है, जिसमें अजमेर शहर के 60 वार्ड शा मल हैं, केस स्टडी रणनीति का पक्ष लेती है - पहले स्थान पर एक अनुभवजन्य जांच जो शोधकर्ताओं के नियंत्रण से परे वास्त वक जीवन के संदर्भ में एक समकालीन घटना की जांच करती है और साथ ही आर्क **GIS** और **ERDAS** (भ ा बी, 2010) जैसे **GIS** सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है।

यह अध्ययन वर्ष 2000 से 2017 तक राजस्थान के अजमेर शहर में शहरी वकास और भू म उपयोग परिवर्तनों की स्थानिक-लौ कक गतिशीलता को दर्शाता है। भू म उपयोग पैटर्न में परिवर्तन जानने के लए दो अलग-अलग समय अव ध 2000 और 2017 की लैंडसैट उपग्रह छ वयों का उपयोग कया गया है। आर्क **GIS** 10.2 सॉफ्टवेयर में अ धकतम संभावना तकनीक (परिवर्तन का पता लगाने) का उपयोग करके पर्यवे क्षत वर्गीकरण पद्धति को नियोजित कया गया है। उपग्रह चत्रों में वर्गीकरण व धयों को लागू करके, पाँच मुख्य प्रकार के भू म उपयोग निकाले गए; नि र्मत क्षेत्र, कृ ष क्षेत्र, वन क्षेत्र, बंजर भू म और जल निकाय क्षेत्र। फर समय (2000 और 2017) में व भन्न बिंदुओं पर सभी प्रकार की भू म के क्षेत्र

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कवरेज को मापा गया।

डेटा संग्रह

1. वर्ष 2000 और 2017 की सैटेलाइट छ वयों से अजमेर शहर की सैटेलाइट इमेजरी ***USGS*** वेबसाइट के माध्यम से एकत्र की गई है।
2. अजमेर शहर के मास्टर प्लान पर वचार कया गया है।
3. अजमेर वकास प्रा धकरण एवं अजमेर नगर नगम से वार्डवार मान चत्र एवं आंकड़े एकत्रित कये गये हैं।

अजमेर शहर के भू म उपयोग का ववेचन :

अजमेर शहर धा र्मक केंद्र पुष्कर के आसपास वक सत हुआ है। अजमेर के ऐतिहा सक पहलू इसकी महिमा के बारे में बताते हैं। अजमेर शहर राज्य के मध्य में स्थित है और ऐतिहा सक, धा र्मक, शैक्ष णक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार। भारत की जनगणना 2011 के लए, अजमेर एक शहरी समूह है जो वर्ग I यूए/टाउन की श्रेणी के अंतर्गत आता है। अजमेर शहर नगर निगम द्वारा शा सत है और अजमेर शहरी क्षेत्र में स्थित है। अजमेर यूए/मेट्रोपॉ लटन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 551,101 है। जिसमें पुरुष जनसंख्या 283,072 है जब क महिला जनसंख्या 268,029 है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

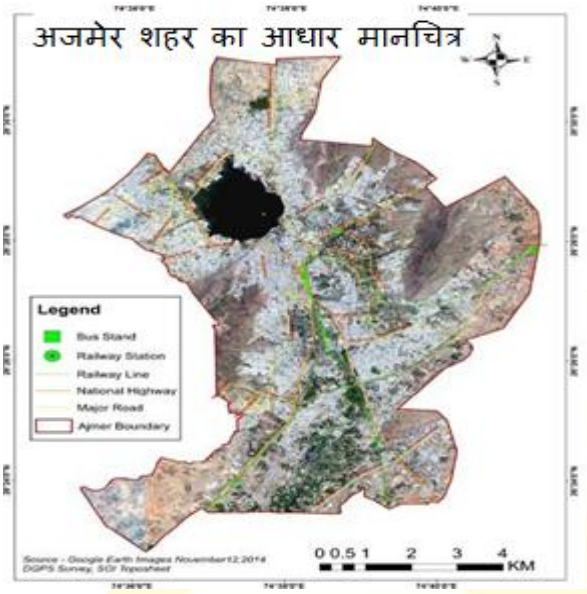

चत्र 1 अजमेर शहर का आधार मान चत्र

यह अध्ययन, अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर अध्ययन निष्कर्ष प्रस्तुत करता है; जिसमें वर्ष 2000 और 2017 की उपग्रह इमेजरी, मौजूदा भू म उपयोग पैटर्न मान चत्र, वार्ड वार जनसंख्या घनत्व मान चत्र और भू म उपयोग/भू म कवर पर शहरीकरण के प्रभाव शा मल हैं।

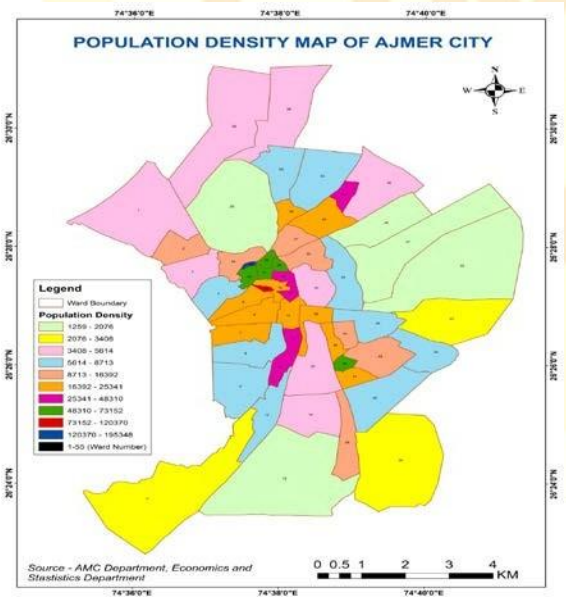

चत्र **2** जनसंख्या घनत्व मान चत्र

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अजमेर नगर निगम के अनुसार, अजमेर शहर में 60 वार्ड हैं। दिया गया जनसंख्या घनत्व मान चत्र इन 60 वार्डों के बीच वतरित शहरी क्षेत्र में रहने वाली जनसंख्या का घनत्व दिखा रहा है। सर्वा धक जनसंख्या घनत्व वाले वार्ड 20, 21, 22, 23, 28, 29 और 42 हैं (चत्र 3)। इन वार्डों में हाल ही में वक सत चंद्रवरदाई नगर, सुभाष नगर, आदर्श नगर और मदार गेट के प्रमुख हिस्से शा मल हैं।

तुलनात्मक रूप से कम जनसंख्या घनत्व वाले वार्ड 10, 15, 17, 18 और 51 हैं। इन वार्डों में दरगाह क्षेत्र, केसरगंज, टाडगढ पहाड़ी के नीचे के क्षेत्र जैसे अजयनगर, भगवानगंज और यूआईटी क्वार्टर शा मल हैं। ये क्षेत्र आवास की दृष्टि से बहुत भीड़भाड़ वाले हैं। अ धक भीड़भाड़ के कारण, इन क्षेत्रों में इमारतों का ऊर्ध्वाधर वस्तार बहुत आम है, क्यों क क्षैतिज वस्तार के लए क्षेत्र बहुत छोटे हैं। अजमेर शहर के वर्तमान मास्टर प्लान के अनुसार, मुख्य शहर का क्षेत्र अब इन वार्डों की सीमा के बाहर वस्तारित हो गया है। इस बढ़ी हुई जनसंख्या के कारण मुख्य शहर के बाहर के क्षेत्रों का वकास कया जा रहा है। ये क्षेत्र बेहतर सु वधाओं के साथ-साथ आवास की दृष्टि से भी अ धक व्यवस्थित और सुनियोजित हैं।

भू म उपयोग का तुलनात्मक वश्लेषण जनसंख्या वृ द्ध के प्रभाव के वस्तार का संकेत देगा क्यों क भू म उपयोग वकास सीधे जनसंख्या आकार से जुड़ा हुआ है (बर्नस्टीन, जे. डी., 1993)। अलग-अलग समय अव ध (2000 और 2017) में ली गई सैटेलाइट इमेजरी का वश्लेषण अजमेर शहर में बदलते भू म-उपयोग पैटर्न को दर्शाता है। शोधकर्ता के वश्लेषण के अनुसार अजमेर शहर का कुल क्षेत्रफल 81.70 वर्ग कमी है। मास्टर प्लान में आवासीय उपयोग सबसे प्रमुख भू म उपयोग है। योजना में आवासीय उपयोग के तहत 7250 एकड़ भू म के वकास की परिकल्पना की गई थी, ले कन योजना अव ध के दौरान 6000 एकड़ भू म वक सत हुई है, यह देखा गया है क यह उपयोग अन्य उपयोगों की तुलना में बहुत तेजी से वक सत हुआ है, परिणामस्वरूप, अन्य उपयोगों के लए अलग कए गए क्षेत्र आवासीय उपयोग से आगे निकल गए हैं।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

ता लका संख्या 1 अजमेर शहर का भू म उपयोग

क्र.सं.	भू म उपयोग	मास्टर प्लान 1971		2001 में प्रस्ता वत	
		क्षेत्रफल एकड़ में	वकास की % आयु	क्षेत्रफल एकड़ में	वकास की % आयु
1	आवासीय	7250	50.8	6000	52.26
2	व्यावसायिक	500	3.4	564	4.96
3	औद्यो गक	1560	10.8	586	5.10
4	सरकार	120	0.9	140	1.22
5	सार्वजनिक अर्ध-सार्वजनिक	1750	12.2	1571	13.68
6	मनोरंजन	840	6.0	138	1.20
7	परिवहन	2260	15.8	2483	21.60
	कुल	14,280	100%	11,482	100%

स्रोत: मास्टर प्लान 1971-2001 और 2001-2023

1970-80 में शास्त्री नगर, शास्त्री नगर एक्सटेंशन, भगवान गंज, वैशाली नगर, आनासागर सर्कुलर रोड, ढोला भाटा आवासीय परियोजना वक सत की गई। 1980-90 में ज्वाला प्रसाद नगर, अर्जुनलाल सेठी नगर और एम.डी. नगर कॉलोनियों की योजना बनाई गई थी। 1990-2005 में एच.बी.यू नगर, बी.के. नगर, कौल नगर, चंद्रवरदाई नगर और महाराणा प्रताप नगर आदि 2005-2015 में पंचशील ब्लॉक ए-ई, पृथ्वीराज नगर योजना, प्रगति नगर कोटरा, पत्रकार कॉलोनी, कोटरा, कायड़ का वकास देखा गया।

स्थानिक वश्लेषण से पता चलता है क लगभग सभी अन्य उपयोगों में आवासीय उपयोग वक सत हुआ और वा णज्यिक और खुली जगह आदि का वकास हुआ। इसका मुख्य कारण सहकारी स मतियों के माध्यम से आवासीय उपयोग का वकास है, जिन्होंने

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मास्टर प्लान का उल्लंघन करते हुए भू म वक सत की है (यादव एम., 2017) ।

वर्ष **2000** में भू म उपयोग और भू म कवर (चत्र संख्या 3)

चत्र संख्या 3 की व्याख्या का परिणाम इस प्रकार हैं,

1. वर्ष 2000 में, नि र्मत क्षेत्र ने भू म उपयोग/भू म कवर मान चत्र के अनुसार कृ ष भू म का स्थान लेना शुरू कर दिया है।
2. शहर के आकर्षण का केंद्र आना सागर झील और पहाड़ी इलाकों के आसपास जमीन पर अतिक्रमण देखा जा सकता है.
3. कुल कृ ष भू म 57.94% कम होकर 47.34 वर्ग कमी तक पहुँच गयी।
4. जब क नि र्मत क्षेत्र 16.12 वर्ग कमी तक बढ़ गया जो शहर की कुल भू म का 19.73% था।
5. बंजर भू म की मात्रा में कुछ परिवर्तन हुआ। शहरी फैलाव के कारण यह देखा गया है क बंजर भू म का उपयोग पहाड़ी क्षेत्रों के पास निर्माण और खनन उद्देश्यों के लए कया जाता था।

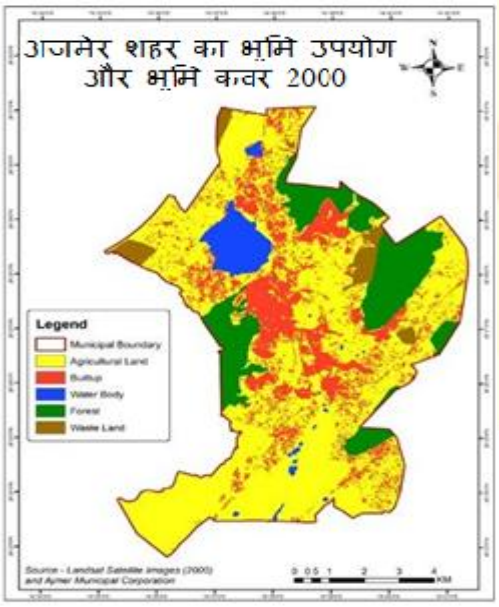

चत्र **3** अजमेर शहर का भू म उपयोग और भू म कवर **2000**

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

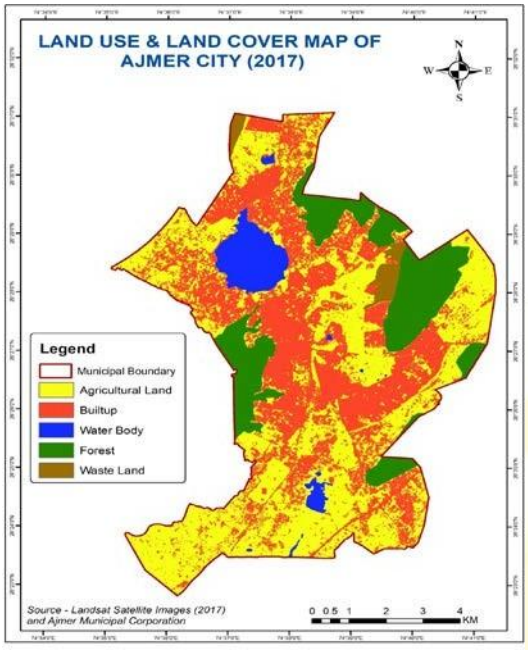

चत्र **4** अजमेर शहर का भू म उपयोग और भू म कवर **2017**

वर्ष **2017** में भू म उपयोग और भू म कवर (चत्र संख्या **4**)

चत्र संख्या **4** की व्याख्या का परिणाम इस प्रकार हैं

1. वर्ष 2017 में, नि र्मत क्षेत्र ने वशाल कृ ष भू म का स्थान ले लया है जैसा क भू म उपयोग और भू म कवर मान चत्र में देखा जा सकता है।
2. बस्ती का समूह शहर के पूरे मध्य क्षेत्र में देखा जा सकता है।
3. 2017 में कृ ष भू म 33.60 वर्ग कमी रह गई, जो शहर की कुल भू म का केवल 41.12% है।
4. जब क नि र्मत क्षेत्र में 30.15 वर्ग कमी की वृ द्ध हुई है, जो कुल शहर क्षेत्र का 36.0% है।
5. बंजर भू म भी घटती गयी और 1.36 वर्ग कमी रह गयी।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

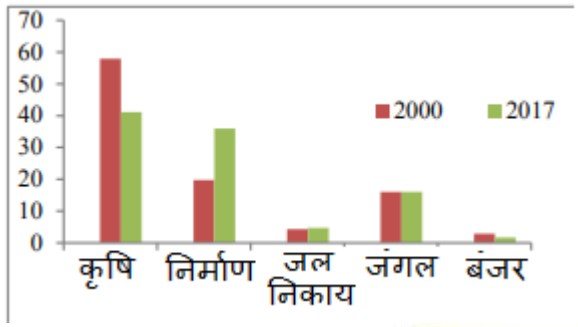

आरेख संख्या 1 अजमेर शहर का भू म उपयोग और भू म कवर **(2000 से 2017)**

यह अजमेर शहर के भू म उपयोग और भू म कवर क्षेत्र का एक आरेखीय प्रतिनि धत्व है आरेख संख्या *1* में जो वर्ष 2000 से 2017 तक बदलते भू म उपयोग पैटर्न को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वर्ष 2000 से 2017 तक कृ ष भू म में लगातार कमी और नि र्मत क्षेत्र में लगातार वृ द्ध हो रही है। चूं क भू म का उपयोग औद्यो गक उद्देश्यों के लए कया जा रहा है, इस लए बंजर भू म में भी कमी आई है। दिलचस्प बात यह है क वन और जल निकाय के भू म आवरण में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। परिणाम दर्शाते हैं क संपूर्ण अध्ययन अव ध में, वर्ष *2001* से *2011* के बीच अजमेर शहर की जनसंख्या 485,197 से बढ़कर 542,321 हो गई। इस अव ध में जनसंख्या की वृ द्ध दर भन्न-भन्न है। वर्ष 2001 में जनसंख्या वृ द्ध में अचानक 20.5% की वृ द्ध हुई जो क वर्ष 1991 में केवल 7.6% थी। ले कन अगले ही दशक में वकास दर कम हो गई और वर्ष 2011 में 11.8% तक पहुंच गई। वकास दर में यह बदलाव दर्शाता है क अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में यह बदलता पैटर्न ग्रामीण-शहरी प्रवास के कारण हो सकता है।

पर्यावरण पर शहरीकरण का प्रभाव

शहरीकरण के कारण भू म की बढ़ती मांग, साथ ही इसकी आपूर्ति में कमी, प्राकृतिक वनस्पति में भू म उपयोग पर अ धक संघर्ष का एक प्रमुख कारण है। अजमेर शहर में शहरीकरण के कुछ प्रमुख प्रभाव इस प्रकार हैं:

बहुत अच्छी मात्रा में भूजल वाली उत्पादक कृ ष भू म का बड़ा हिस्सा अब कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो रहा है। उपजाऊ भू म जो कभी कृ ष गति व धयों के अधीन थी, अब एक बाज़ार बन गई है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शहरी गरीबों के लए नियोजित स्थान तक पहुंच की कमी के परिणामस्वरूप पहाड़ी ढलानों, वशेषकर तारागढ़ पहाड़ी और जल निकायों पर अतिक्रमण हुआ है। पहा ड़यों पर अतिक्रमण, वशेष रूप से प्राकृतिक नालों के मार्ग पर अतिक्रमण के कारण प्रदूषण होता है और ना लयां जाम हो जाती हैं तथा नालों के मार्ग में परिवर्तन होता है जिससे झीलों में प्रवाह प्रभा वत होता है।

कशनगढ़, भारत में संगमरमर उद्योग का प्रमुख क्षेत्र है। मार्बल उद्योगों ने न केवल बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान कया है, बल्कि रीको औद्यो गक क्षेत्र में स्थित डं पंग यार्ड में पर्यटन उद्योग को आक र्षत करने के रास्ते भी खोले हैं। साल भर में इस क्षेत्र में वृ द्ध हुई, इसकी सभी वनस्पतियाँ नष्ट हो गईं और क्षेत्र प्रभा वत हुआ है । संगमरमर का घोल म ी के आवरण को नष्ट कर देता है और भूजल को दू षत कर देता है, जिससे वनस्पति पर रोक लग जाती है (लाल वी., 2017) ।

इस क्षेत्र में होने वाली खनन गति व धयों का भू म की सतह, पर म ी की उर्वरता और भू म उपयोग पैटर्न पर भारी प्रभाव पड़ता है। कृ ष और वन भू म दोनों को खनन गति व धयों के खतरनाक प्रभाव का सामना करना पड़ा है। जंगलों के कटने और कृ ष गति व धयों के खदान क्षेत्रों में स्थानांतरित होने के कारण भू म उपयोग पैटर्न भी गड़बड़ा गया है।

जनसंख्या वृ द्ध ने कई संबं धत समस्याओं को भी जन्म दिया है , जैसे आवासीय और गैर-आवासीय दोनों तरह के आवास की भारी कमी, यातायात की भीड़, स्वच्छता की कमी और अन्य सामुदायिक सु वधाओं और सुख-सु वधाओं की कमी आदि।

शहरी क्षेत्रों में रहने की लागत बहुत अ धक है। जब इसे यादृच्छिक और अप्रत्या शत वृ द्ध के साथ-साथ बेरोजगारी के साथ जोड़ा जाता है, तो म लन बस्तियों और अवैध निवा सयों द्वारा प्रतिनि धत्व की जाने वाली अवैध निवासी बस्तियों का प्रसार होता है। 2011 की जनगणना में अजमेर शहर में *59* म लन बस्तियाँ दर्ज की गईं।

आनासागर झील, जो शहर का केंद्र बिंदु है, का अतिप्रवाह आनासागर एस्केप चैनल द्वारा खानपुरा तालाब तक पहुंचाया जाता है। यह देखा गया है क इस क्षेत्र की सभी ना लयों में

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अप शष्ट जल के प्रवाह और ठोस अप शष्ट के डं पंग की एक बड़ी समस्या है। उ चत सीवरेज प्रणाली के अभाव के कारण ना लयाँ नगर निगम का अप शष्ट जल ले जाती हैं और अंततः आनासागर झील में प्रवाहित होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप झील की जल गुणवत्ता खराब हो जाती है। अ धकतर ना लयाँ नगर निगम के ठोस अप शष्ट, गाद और साइलेज से भरी हुई हैं। इसके अलावा, यह देखा गया है क अजमेर के आसपास की पहा ड़यों में बहुत तीव्र ढलान है और पर्याप्त वनस्पति आवरण नहीं है, जिससे भारी अपवाह और म ी का कटाव होता है, जिसके परिणामस्वरूप नालों में और बाद में आना सागर में गाद जमा हो जाती है।

अजमेर में संकरी ग लयों और ऊबड़-खाबड़ सड़कों के कारण यातायात जाम एक आम समस्या है, उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों में यातायात दबाव की समस्या बहुत गंभीर स्थिति में है, सड़कें इतनी संकरी हैं क एक समय में केवल एक ही व्यक्ति अंदर प्रवेश कर सकता है। सड़कों पर यातायात के दबाव के कारण शहर में यातायात आमतौर पर अनियंत्रित हो जाता है। शहर की मुख्य सड़कें भी जनसंख्या की तुलना में कम चौड़ी हैं और शहर में वाहनों की संख्या में वृ द्ध हुई है। हालाँ क सड़कों पर अ धक दबाव से बचने के लए, अजमेर ब्यावर-नसीराबाद के लए N.H.8 पर बाईपास सड़क का निर्माण कया गया है। अजमेर बस स्टैंड शहर के केंद्र में स्थित है इस लए बसें शहर से होकर गुजरती हैं। शहर का केंद्र पराव और केसरगंज क्षेत्र में स्थित है और अनाज मंडी भी स्थित है। इन इलाकों में छोटे-बड़े ट्रक प्रवेश कर रहे हैं, जिससे यातायात जाम हो रहा है। इसी तरह शहर में पा र्कंग की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है (यादव एम., 2017).

निष्कर्ष

यूरोपीय देशों में औद्यो गक क्रांति के बाद तीव्र गति से शहरीकरण हुआ, जो तब से निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। शहरीकरण में मुख्य रूप से द् वतीयक और तृतीयक क्षेत्र शा मल हैं, कृ ष जैसी प्राथ मक गति व धयाँ शहरी क्षेत्रों में अ धक लोक प्रय नहीं देखी जाती हैं। औद्योगीकरण के कारण, कृ ष भू म सकुड़ रही है जिससे अंततः कम उत्पादकता होती है (शेरी, मत्रा ए.एस. और दत्ता बी, 1981)। भारत कृ ष उत्पादन में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है और इसकी 50% आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृ ष गति व धयों में शा मल है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

साथ ही, यह शीर्ष ए शयाई देशों में से एक है जिसकी शहरी वकास दर कसी भी अन्य वक सत देश की तुलना में सबसे अ धक है। ले कन चंता की बात यह है क बढ़ती जनसंख्या की इस उच्च दर के साथ भारत कब तक शहरीकरण के कारण धीमी कृ ष वृ द्ध के कारण अपनी आबादी को खलाने में सक्षम होगा?

वर्ष 2000 से 2017 तक बदलते भू म उपयोग पैटर्न को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वर्ष 2000 से 2017 तक कृ ष भू म में लगातार कमी और नि र्मत क्षेत्र में लगातार वृ द्ध हो रही है। चूं क भू म का उपयोग औद्यो गक उद्देश्यों के लए कया जा रहा है, इस लए बंजर भू म में भी कमी आई है। दिलचस्प बात यह है क वन और जल निकाय के भू म आवरण में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। परिणाम दर्शाते हैं क संपूर्ण अध्ययन अव ध में, वर्ष *2001* से *2011* के बीच अजमेर शहर की जनसंख्या 485,197 से बढ़कर 542,321 हो गई। इस अव ध में जनसंख्या की वृ द्ध दर भन्न-भन्न है। वर्ष 2001 में जनसंख्या वृ द्ध में अचानक 20.5% की वृ द्ध हुई जो क वर्ष 1991 में केवल 7.6% थी। ले कन अगले ही दशक में वकास दर कम हो गई और वर्ष 2011 में 11.8% तक पहुंच गई। वकास दर में यह बदलाव दर्शाता है क अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में यह बदलता पैटर्न ग्रामीण-शहरी प्रवास के कारण हो सकता है।

औद्योगीकरण के चरम पर पहुँचने के बाद यूरोपीय देश पुनः कृ ष गति व धयों की ओर लौट रहे हैं। क्यों क उन्हें इस बात का एहसास हो चुका है क लंबे समय तक देश को हर मामले में आत्मनिर्भर होना ही होगा; औद्यो गक और पर्यावरण भी. भारत, जिसके पास कृ ष क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं, अब अपनी बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण के कारण पूरे देश में भू म उपयोग पैटर्न में भारी बदलाव देख रहा है। हालाँ क शहरीकरण के कई फायदे हैं जैसे रोजगार के अवसरों का निर्माण, तकनीकी और बुनियादी ढाँचागत प्रगति, बेहतर परिवहन और संचार, शै क्षक और च कत्सा सु वधाओं की गुणवत्ता और जीवन स्तर में सुधार आदि। हालाँ क, व्यापक शहरीकरण के परिणामस्वरूप अ धकतर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। जैसे कृ ष भू म में कमी, वन भू म में कमी, पर्यावरण प्रदुषण, जल प्रदुषण, वायु प्रदुषण आदि ।

संदर्भ

[1] एल्डिंगटन टी., (1997)। शहरी और पेरी-शहरी कृ ष: भू म सुधार, निपटान और सहकारी स मतियों के मुद्दे पर कुछ वचार, 2, 43-44।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

[2] बर्नस्टीन, जे.डी., (1993)। शहरी पर्यावरण प्रबंधन में भू म उपयोग पर वचार। शहरी प्रबंधन कार्यक्रम नीति पेपर नं. 12. वा शंगटन, डी.सी., वश्व।

[3] भ ा, बी., (1963)। रिमोट सें संग डेटा से शहरी वकास और फैलाव का वश्लेषण; स्प्रिंगर-वेरलाग: ब र्लन/हीडलबर्ग, जर्मनी, 2010. बर्जर, पी.एल. समाजशास्त्र के लए निमंत्रण, रिंगवुड: पेंगुइन।

[4] कोहेन, बी., (2006)। वकासशील देशों में शहरीकरण: वर्तमान रुझान, भ वष्य के अनुमान और स्थिरता के लए प्रमुख चुनौती। समाज में प्रौद्यो गकी, *28, 63-80*।

[5] ड्रैका कस-स्मिथ, डे वड। (1996) "तीसरी दुनिया के शहर: सतत शहरी वकास ॥ - जनसंख्या, श्रम और गरीबी।" शहरी अध्ययन 33(4), 673-701.

[6] मलन कुमार यादव (डॉ.) (2017)। अजमेर में जनसंख्या वृ द्ध और पर्यावरणीय गरावट।

[7] रेटनाराज, डी., (1994)। केरल में शहरीकरण और आ र्थक प्रदर्शन का पैटर्न, ए शयाई आ र्थक समीक्षा, 36(3)।

[8] शेरी, मत्रा ए.एस., और दत्ता, बी., (1981)। भारत में शहरों और कस्बों के कार्यों में बदलाव 1961-71। अ भनव प्रकाशन, नई दिल्ली।

[9] श्रेष्ठ, नंदा, आर., और हार्टशोर्न, ट्रूमैन, ए. तीसरी दुनिया के शहरीकरण और आ र्थक वकास का एक नया पूंजीवादी परिप्रेक्ष्य, रावत प्रकाशन, *(* ल मटेड*)*, जगमाला दीदी। वमला रंगा स्वामी.

[10] वंदना लाल। (2017)। कशनगढ़ का अंटार्कटिका: वरदान या अ भशाप। इजरासेट, *5.*